

प्रेषक,

एस0 रामास्वामी,
प्रमुख सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
अर्थ एवं संख्या विभाग,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

नियोजन अनुभाग-2

देहरादून, दिनांक: 21 फरवरी, 2011

विषय: वित्तीय वर्ष 2010-11 में अर्थ एवं संख्या विभाग के अन्तर्गत आयोजनेतर पक्ष में प्राविधानित अनुपूरक बजट की स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र सं0-2309/3-ले0-1(1)/बजट/2010-11, दिनांक 1 फरवरी, 2011 के संदर्भ में वित्तीय वर्ष 2010-11 के लिए प्रथम अनुदानों की स्वीकृति विषयक प्रमुख सचिव, वित्त के पत्र सं0-542/XXVII(1)/2010, दिनांक 04.10.2010 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि राज्यपाल महोदय वित्तीय वर्ष 2010-11 में अनुदान सं0-07 के अधीन लेखाशीर्षक-3454-जनगणना सर्वेक्षण तथा सांख्यिकी-02-सर्वेक्षण तथा सांख्यिकी-001-निदेशन तथा प्रशासन-03-अर्थ एवं संख्या अधिष्ठान हेतु 16-व्यवसायिक तथा विशेष सेवाओं के लिए भुगतान मद में धनराशि ₹ 400 हजार (₹ चार लाख मात्र) आपके निर्वतन पर रखे जाने की सहर्ष स्वीकृति निम्न प्रतिबन्धों के अधीन प्रदान करते हैं:-

1. धनराशि का आहरण एवं व्यय वास्तविक आवश्यकतानुसार ही किशतों में किया जाएगा एवं यह सुनिश्चित किया जाएगा कि वर्ष भर का कुल व्ययभार उक्त स्वीकृत धनराशि से अनाधिक रहेगा तथा व्यय की फेजिंग त्रैमास के अनुसार इस प्रकार की जाएगी कि त्रैमासवार व्यय तदनुसार निर्धारित अनुमान से अनधिक ही रहे।
2. वित्तीय वर्ष 2010-11 के लिए अधिकृत धनराशि में से केवल स्वीकृत चालू योजना पर ही व्यय किया जाए और किसी भी दशा में उक्त धनराशि का उपयोग वित्तीय वर्ष 2010-11 की मदों के क्रियान्वयन के लिए नहीं किया जाएगा।
3. स्वीकृत कार्यों पर होने वाले व्यय के लिए वित्तीय हस्तपुस्तिका, बजट मैनुअल, उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली एवं मितव्ययिता के सम्बन्ध में शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों का अनुपालन कड़ाई से किया जायेगा। मितव्ययिता सुनिश्चित करने के लिए तत्काल शीर्षक/मदवार बचत की कार्य योजना बना ली जाए तथा तदनुसार बचत करने का वार्षिक लक्ष्य निर्धारित कर बचत किया जाना सुनिश्चित किया जाए।
4. यह सुनिश्चित किया जाए कि स्वीकृत धनराशि को किसी ऐसे मद पर व्यय नहीं किया जाए जिसके लिए वित्तीय हस्तपुस्तिका तथा बजट मैनुअल के नियमों के अंतर्गत सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति की आवश्यकता हो उस प्रकरण में व्यय के पूर्व यह प्राप्त कर ली जाए।

5. पूर्व पृष्ठ-1 में दर्शित धनराशि का समय से उपयोग करने के लिए यह सुनिश्चित करें कि धनराशियों को परिधिगत अधिकारियों को तत्काल अवमुक्त कर दिया जाए तथा व्यय का दिवरण यथासमय बी0एम0-13 पर शासन को उपलब्ध कराया जाए।
6. अनुदान के अंतर्गत होने वाले सम्भावित व्यय की फेजिंग (त्रैमास के आधार पर) नियोजन विभाग एवं वित्त विभाग को उपलब्ध कराने का कष्ट करें।
7. यह सुनिश्चित किया जाए कि शासन द्वारा उपरोक्त निर्देशों के अतिरिक्त इस संबंध में अब तक जारी शासनादेशों का अनुपालन अधीनस्थ तक भी सुनिश्चित करने का कष्ट करें।

2- इसका सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2010-11 के आय-व्यय में अनुदान संख्या-07 के अधीन आयोजनेतर पक्ष में लेखाशीर्षक-3454-जनगणना सर्वेक्षण तथा सांख्यिकी-02-सर्वेक्षण तथा सांख्यिकी-001-निर्देशन तथा प्रशासन-03-अर्थ एवं संख्या अधिष्ठान के अन्तर्गत पूर्व पृष्ठ-1 में उल्लिखित सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नामों डाला जाएगा।

3- यह स्वीकृति वित्त विभाग के अशासकीय पत्र संख्या-748NP/XXVI(5)/2010-11, दिनांक 14 फरवरी, 2011 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी की जा रही है।

भवदीय,

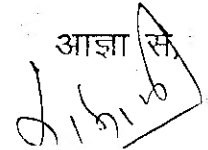
(एस0 रामास्वामी)
प्रमुख सचिव।

संख्या: 54 (1)/XXVI/दो(5)/2010, तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, ओबराय बिल्डिंग, सहारनपुर रोड़, देहरादून।
- 2- निदेशक, कोषागार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 3- मुख्य कोषाधिकारी, देहरादून।
- 4- वित्त अनुभाग-5, उत्तराखण्ड शासन।
- 5- सामन्तचक, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 6- गार्ड फाइल।

आज्ञा से



(जी0बी0ओली)
संयुक्त सचिव।